an>

Title: Regarding the issue of climate change.

डॉ. वीरेन्द्र कुमार **(**टीकमगढ़**) :** अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी अति लोक महत्व के विषय को उठाने की अनुमति दी, उसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। दुनिया के तमाम वैज्ञानिक और देश इस बात से चिंतित हैं कि अगर ग्लोबल वार्मिंग को नहीं रोका गया, तो जल्द ही दुनिया गरीब और भुखमरी की तरफ बढ़ने को मजबूर हो जाएगी। ग्लोबल वार्मिंग के कारण दुनिया के कई इलाकों में फसलों की उत्पादकता में कमी हो रही है और जल आपूर्ति का भी भारी संकट बढ़ता जा रहा है। इसका कारण ग्रीन हाउसेज़ से गैसों का उत्सर्जन है, जिसके चलते समुद्र के जल स्तर में वृद्धि तथा चक्रवातों में बढ़ोत्तरी हो रही है। बर्फ से ढंके क्षेत्रों में भी लगातार बर्फ पिघल रही है। हमारे देश में भी सुनामी चक्रवात और भूकम्प की घटनाएं, उत्तराखंड का भूकम्प और ओडिशा का चक्रवात हमारे सामने प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। इसके अलावा वृक्षों की अंधाधुंध कटाई, पहाड़ों का उत्खनन एवम् भौतिक सुविधाओं हेतु इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के अधिकाधिक उपयोग के कारण ग्लोबल वार्मिंग का खतरा विश्व के अन्य देशों के समान हमारे यहां भी बढ़ता जा रहा है। ऐसे में मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि सरकार जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी राष्ट्रीय कार्य योजना के मिशन हेतु दी गई धनराशि को सर्वाधिक आवश्यकता वाले राज्यों में खर्च करने के बारे में प्राथमिकताओं के मापदंड तय करे। ग्लोबल वार्मिंग के खतरे को कम करने के लिए इन प्रयासो के साथ ही साथ जन जागरूकता बढ़ाने के हेतु भी सरकार द्वारा ठोस प्रयास किए जाएं।

HON. SPEAKER: *m02 Shri Gajendra Singh Shekhawat and *m03 Kunwar Pushpendra Singh Chandel are permitted to associate with the issue raised by Dr. Virendra Kumar.